फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 190 प्रभात जयपुर, बुधवार 11 फरवरी, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Gen Z Is Trading Night Clubs for Japanese...

Dark rooms filled with soft leather sofas and curated vinyl are popping up across the United States and the world

Why They Tilt Towards the Equator

Lenses Before Galilei | The Optics That Existed Long Before the Telescope

'जब तक ''अविश्वास प्रस्ताव'' पर निर्णय नहीं होता, मैं अध्यक्ष की कुर्सी पर नहीं बैठूंगा'

लोकसभाध्यक्ष ओम बिड़ला की इस सशक्त प्रतिज्ञा ने सदन का वातावरण कुछ ठीक किया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 फरवरी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने अपनी कुर्सी से हटने का फैसला किया है। उन्होंने कहा है कि जब तक उनके खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर कोई फैसला नहीं हो जाता, तब तक वे सदन की कार्यवाही की अध्यक्षता नहीं करेंगे और न ही कुर्सी पर बैठेंगे।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के खिलाफ मोर्चा संभालते हुए कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष ने 118 सांसदों के हस्ताक्षर के साथ यह प्रस्ताव महासचिव को सौंपा।

एक वरिष्ठ नेता ने बताया, ''विपक्ष के नेता होने के नाते राहुल गांधी ने इस याचिका पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, जैसी कि परंपरा रही है, हालांकि अध्यक्ष के खिलाफ मुख्य शिकायत यही है कि उन्होंने राहुल गांधी को बोलने की अनुमति नहीं दी। साथ ही उन पर आरोप है कि उन्होंने महिला सांसदों पर गंभीर आरोप लगाए, जिसमें उन्होंने कहा था कि महिला सांसद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमला करने की योजना बना रही थीं।

- पर, एक दिक्कत यह है कि सरकार ने लोकसभा में उपाध्यक्ष पद कभी भरने की कोशिश नहीं की, अतः निर्वाचित अध्यक्ष के अभाव में, अब वक्ताओं के एक पैनल पर जिम्मेवारी आ पड़ी है, सदन सुचारू रूप से चलाने के लिए।
- राहुल गांधी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर, बोलने की इजाज़त नहीं मिली थी, अब, गुरुवार की दोपहर में वे बजट पर अपने विचार रखेंगे सदन में।
- अब तक लोकसभा के रिकॉर्ड के अनुसार, तीन बार लोकसभाध्यक्ष के खिलाफ ''अविश्वास'' प्रस्ताव लाए गए हैं, पर तीनों बार प्रस्ताव पारित नहीं हो पाए थे। पहला अविश्वास प्रस्ताव 1954 में तत्कालीन लोकसभाध्यक्ष मालवीय के खिलाफ लाया गया था।

महासचिव इस याचिका की जांच करेंगे और तय करेंगे कि यह वैध है या नहीं और इसे स्वीकार किया जा सकता है या नहीं।

इस पूरी प्रक्रिया के लिए 14 दिन का समय दिया गया है।

अध्यक्ष ने कहा है कि जब तक अविश्वास प्रस्ताव की स्थिति स्पष्ट नहीं हो जाती, तब तक वे सदन की अध्यक्षता नहीं करेंगे।

यह साफ है कि वे अपने खिलाफ दिए गए नोटिस पर खुद फैसला नहीं कर सकते।

सत्तारूढ़ भाजपा ने सत्ता में आने के बाद से अब तक उपाध्यक्ष नियुक्त करना जरूरी नहीं समझा है। आमतौर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आईसीसी के दबाव में यूटर्न लिया पाक ने

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 10 फरवरी। जैसा कि अनुमान था, पाकिस्तान सरकार ने टी20 विश्व कप 2026 में 'भारत के बहिष्कार' के अपने रुख पर यू-टर्न लेने की पुष्टि कर दी है।

15 फ़रवरी को सूर्यकुमार यादव की टीम के खिलाफ होने वाले मैच में उतरने से अपनी टीम को रोकने के बाद, पाकिस्तान ने सोमवार को अपना फैसला पलट दिया, जिससे अब आगामी रविवार को कोलंबो में मैच खेले जाने का रास्ता साफ हो गया है।

- इस यूटर्न से क्रिकेट में पाकिस्तान की साख और घटी है। अब पाकिस्तान 15 फरवरी को भारत के साथ क्रिकेट मैच खेलेगा।

इस फैसले की घोषणा इन्टरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी), पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और कुछ अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में हुई उच्चस्तरीय बैठकों की श्रृंखला के बाद की गई।

इस यू-टर्न से किसी को हैरानी नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या है सच, नरवणे की किताब छपी थी या नहीं

पूर्व थलसेना प्रमुख एमएम नरवणे की आत्मकथा के प्रकाशन पर परस्पर विरोधी दावे किए जा रहे हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 फरवरी। पैनग्विन रैंडम हाउस इंडिया ने एक स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है कि पूर्व थलसेना प्रमुख एमएम नरवणे की आत्मकथा ''फोर स्टार्स ऑफ़ डेस्टिनी'' के विशेष प्रकाशन अधिकार उसके पास हैं और यह किताब अभी तक किसी भी रूप में प्रकाशित नहीं हुई है।

यह बयान ऐसे समय आया है, जब पांडुलिपि की कथित अनधिकृत प्रतियों के प्रसार को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है और यह राजनीतिक मुद्दा संसद तक पहुंच गया है, जहां नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इसके अंश पढ़ने की कोशिश की थी।

इंडिया टुडे डिजिटल ने सत्यापित किया है कि नरवणे की आत्मकथा की प्रकाशित प्रतियां वापस मंगाए जाने से पहले दिल्ली के बुकस्टोर्स तक पहुंच चुकी थी। राहुल गांधी ने संसद परिसर में उस किताब को प्रदर्शित किया, जब उन्हें पुस्तक से अंश पढ़ने से रोक दिया गया।

दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है और उस सामग्री के कथित अवैध वितरण की जांच शुरू कर दी है, जिसे अभी तक प्रकाशित सामग्री बताया जा रहा है।

- जहाँ प्रकाशन समूह पैनग्विन रैन्डम हाउस इंडिया ने कहा कि पुस्तक के प्रकाशन अधिकार उसके पास हैं और अभी तक पुस्तक की कोई भी प्रति न तो छपी है, न वितरित हुई है और न ही बेची गई है।
- पर हाल ही में संसद के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पुस्तक की प्रति प्रदर्शित की। सूत्रों ने कहा कि यह किताब दिल्ली के बुक स्टोर्स पर मौजूद थी, पर, कंपनी ने इसे वापस ले लिया, लेकिन वापसी से पहले यह राहुल गांधी के पास पहुँच चुकी थी।
- इधर दिल्ली पुलिस ने पुस्तक के अवैध वितरण को लेकर एक एफआईआर दर्ज कर जाँच शुरु कर दी है।

सोमवार को जारी एक बयान में पब्लिश हाउस ने कहा कि वह उन खबरों के मद्देनज़र अपनी स्थिति स्पष्ट करना चाहता है, जिनमें दावा किया गया है कि आत्मकथा की प्रतियां डिजिटल और अन्य प्रारूपों में प्रसारित हो रही हैं।

बयान में कहा गया, ''पैनग्विन रैंडम हाउस इंडिया यह स्पष्ट करना चाहता है कि ''फोर स्टार्स ऑफ़ डेस्टिनी'', जो कि भारतीय सेना के पूर्व प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की आत्मकथा है, उसके एकमात्र प्रकाशन अधिकार हमारे पास हैं। हम यह साफ़ करना चाहते हैं कि यह पुस्तक अभी तक प्रकाशित नहीं हुई है।''

कंपनी ने आगे कहा कि पुस्तक की कोई भी प्रति, मुद्रित या डिजिटल रूप में, प्रकाशक द्वारा न तो प्रकाशित की गई है, न वितरित, न बेची गई है और न ही किसी अन्य तरीके से आम जनता के लिए उपलब्ध कराई गई है।

ममता बनर्जी को पच नहीं रहा, उनकी रणनीति कैसे इतनी नाकामयाब रही सुप्रीम कोर्ट में

अति जोश के कारण, उन्होंने अपने वरिष्ठ वकीलों के पैनल, जिसमें अभिषेक मनु सिंघवी, कपिल सिब्बल जैसे धुरंधर शामिल थे, को बैठाए रखा और स्वयं बहस की सुप्रीम कोर्ट में, पर, यह दांव एकदम खाली गया, जजों के सामने

- अंजन रॉय -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 10 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने चल रही मतदाता सूची की स्पेशल इन्टैन्सिव रिवीज़न (एसआईआर) प्रक्रिया को रोकने की ममता बनर्जी की कोशिश को बड़ा झटका दिया है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने अपने वोट बैंक से वादा किया था कि वे राज्य में एसआईआर प्रक्रिया लागू नहीं होने देंगी।

ममता बनर्जी खुद मुख्य न्यायाधीश की अदालत में एसआईआर प्रक्रिया को राज्य में खत्म करने की मांग रखने और मतदाता सूची को जैसा है, वैसा बनाए रखने के लिए अपनी दलील देने पहुंची थीं।

हालांकि, अदालत ने फैसला दिया कि एसआईआर प्रक्रिया को किसी भी तरह से नहीं रोका जाना चाहिए और इसे बिना किसी रुकावट के पूरा होने दिया जाना चाहिए। अदालत ने राज्य सरकार को यह भी निर्देश दिया कि पुनरीक्षण कार्य को पूरा करने के लिए पर्याप्त संख्या में अधिकारियों की व्यवस्था की जाए।

- ममता बनर्जी ने अपनी दलीलें पेश करते हुए रविन्द्रनाथ टैगोर का भी दो-तीन बार नाम लिया। बंगाल में इस नाम का सदा चमत्कारिक प्रभाव पड़ता आया है, जजों पर, पर, दिल्ली में सुप्रीम कार्ट के जजों पर इतना भारी प्रभाव नहीं पड़ा, नोबल प्राइज़ विजेता के नाम का।
- रणनीति के सभी दांव फेल होने पर ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर निशाना साधा और अंत तक चुनाव आयुक्त को न्यायालय में कोसती रहीं, पर, सुप्रीम कोर्ट अप्रभावित रहा और प.बंगाल को हिदायत दी कि सरकार पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध कराए चुनाव आयुक्त को, जिससे मतदाता सूची का काम सुचारु रूप से पूरा किया जा सके।

ममता बनर्जी ने शिकायत की थी कि चुनाव आयोग ने बाहर से ऐसे अधिकारियों को नियुक्त किया है, जो स्थानीय भाषा और स्थानीय नामों को नहीं समझते और उन्होंने स्थानीय परिस्थितियों को समझे बिना लोगों के नाम हटा दिए।

अपने विशिष्ट अंदाज में ममता ने अदालत में अपने उच्च स्तरीय वकीलों के पैनल से दलील दिलाने के बजाय,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर घूमने आए दो जापानी टूरिस्ट लापता

जयपुर, 10 फरवरी। अशोक नगर थाना इलाके में जयपुर घूमने आए दो जापानी टूरिस्ट के लापता होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने ट्रैक्सी ड्राइवर की शिकायत पर दोनों जापानी टूरिस्ट की गुमशुदगी दर्ज कर उनकी तलाश शुरु कर दी है।

थानाधिकारी मोतीलाल ने बताया कि टैक्सी चालक पिकेन्द्र कुमार ने मामला दर्ज कराया है कि दोनों जापानी टूरिस्ट हिबिक्की शिब्बा और युमा टूरिस्ट विजा पर 6 फरवरी को दिल्ली से जयपुर आए थे और ब्रह्मपुरी स्थित एक होटल में आकर रुके और मैकडॉनल्डस खाने निकले। जाने से पहले उन्होंने अपना बैग भी टैक्सी चालक के सुपुर्द कर दिया। काफी देर तक इंतजार करने के बाद ड्राइवर ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने टूरिस्टों का बैग जब्त कर उनकी तलाश शुरु कर दी है।

- दिल्ली से आकर 6 फरवरी को ब्रह्मपुरी की होटल में ठहरे जापानी पर्यटक मैकडॉनल्ड्स खाना खाने गए थे।

टैक्सी चालक ने पुलिस को बताया कि दोनों टूरिस्टों के पास मोबाइल फोन तो है। लेकिन उनका नंबर नहीं पता। पुलिस ने रेस्टोरेंट के सीसीटीवी फुटेज

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत को बांग्लादेश के बारे में सक्रिय रुख अपनाना ही होगा

बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्याओं का दौर लगातार तेज हो रहा है, जिससे भारत में गुस्सा बढ़ रहा है

-अंजनरॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 फरवरी। एक बेहद दुखद और चौंकाने वाली घटना के अन्तर्गत, बांग्लादेश में एक और हिंदू की बेरहमी से हत्या कर दी गई। देश की पुलिस और प्रशासन हाथ खड़े कर रहे हैं और हत्यारों को पकडने में अपनी लाचारी जता रहे हैं। इस मामले में, एक व्यापारी की उसकी ही दुकान में घुसकर तेज हथियार से हत्या कर दी गई और उसे खून से लथपथ मरने के लिए छोड़ दिया गया।

बांग्लादेश में हिंदुओं का नरसंहार हो रहा है और इन घटनाओं के खिलाफ कोई आवाज़ नहीं उठ रही है, न बांग्लादेश में और न ही भारत में।

अपराधियों ने दुकान में तोड़फोड़ की और दुकान से लाखों रुपये नकद लूटकर फरार हो गए। बाद में जब परिवार वाले उन्हें ढूंढ ने निकले तो खून से लथपथ उनका शव मिला।

यह घटना एक और हिंदू युवक की हत्या के तुरंत बाद हुई है। 25 वर्षीय यह युवक एक गैराज में सो रहा था, तभी गैराज में आग लगा दी गई और उसका शरीर इतनी बुरी तरह जल गया कि उसकी पहचान करना मुश्किल हो गया।

सिर्फ दिसंबर महीने में ही पूरे बांग्लादेश में ऐसे हमलों और हत्याओं की 51 घटनाएं सामने आईं, लेकिन अपराधियों और हत्यारों को अब तक कोई सजा मिलती दिखाई नहीं दे रही है।

- बांग्लादेश में 12 फरवरी को चुनाव होने हैं, पर, फिलहाल वहां भारी अराजकता है, हिंसा पर उतारु लोगों को नियंत्रित करने में पुलिस लाचार नज़र आ रही है।
- हाल ही में भीड़ ने एक हिंदू व्यापारी की उसी की दुकान में घुस कर हत्या कर दी और लूटपाट की।
- इससे पहले एक गैराज में सो रहे 25 वर्षीय हिंदू युवक को आग में जलाकर मार डाला गया। अकेले दिसंबर महीने में ही हिंदुओं के साथ हिंसा की 51 घटनाएं हुई हैं। पर, एक में भी अपराधियों को दंड नहीं मिला है।

जैसे-जैसे यह अराजक देश राष्ट्रीय संसदीय चुनाव की ओर बढ़ रहा है, इस तरह की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। वर्तमान में कोई स्थिर सरकार नहीं होने के कारण लोग जुर्म कर रहे हैं।

ये घटनाएं और इस तरह के हमले साफ तौर पर देश में कानून व्यवस्था के कमजोर होने की ओर इशारा करते हैं, जबकि एक अंतरिम सरकार मौजूद है। सरकार का रवैया पूरी तरह उदासीन दिखाई दे रहा है और ऐसा लगता है कि वह अपराध करने वालों के प्रति नरमी बरत रही है।

इसी बीच, बांग्लादेश 12 फरवरी को नई सरकार बनाने के लिए संसदीय चुनाव कराने जा रहा है। तथापि, पूरे देश में अपराध और अराजकता का माहौल बना हुआ है।

कुछ मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इन चुनावों के बाद कट्टरपंथी ताकतों के सत्ता में आने की संभावना है। जिन दो प्रमुख राजनीतिक दलों को ज्यादा समर्थन मिलने की उम्मीद है, वे दोनों इस्लामिक विचारधारा वाले माने जाते हैं।

चुनाव प्रक्रिया में अवामी लीग ने हिस्सा नहीं लिया, क्योंकि इस पार्टी को चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

अवामी लीग के चुनाव से बाहर होने के बाद, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बी.एन.पी.) और जमात-ए-इस्लामी प्रमुख दावेदार बनकर सामने आए हैं। बेगम खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बी.एन.पी. पर पहले भी कट्टर नीतियां अपनाने और हिंदुओं के साथ भेदभाव करने के आरोप लगते रहे हैं।

दूसरी ओर, जमात-ए-इस्लामी पाकिस्तान समर्थक और इस्लामिक विचारधारा वाली पार्टी मानी जाती है, जो देश को पूरी तरह इस्लामिक राष्ट्र बनाना चाहती है। दिलचस्प बात यह है कि जमात ने अपने उम्मीदवारों में एक भी महिला को शामिल नहीं किया है।

एक अजीब मोड़ यह आया है कि शेख हसीना के पिछले शासन को गिराने वाले छात्र क्रांतिकारी चुनावी मैदान में कहीं दिखाई नहीं दे रहे हैं। छात्र आंदोलन कई हिस्सों में बंट चुका है और धर्मनिरपेक्ष विचारधारा वाला छात्र समूह इस समय सक्रिय नहीं है।

छात्र संगठनों ने एक स्वतंत्र और धर्मनिरपेक्ष बांग्लादेश की मांग की थी, जहां धर्म या जाति के आधार पर किसी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मैक्रों 17 फरवरी को भारत आएंगे

नई दिल्ली, 10 फ़रवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों 17 फरवरी को भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर आएंगे।

विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक बयान में बताया कि इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों होराइजन 2047 रोडमैप के तहत,

- फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों भारत सरकार के निमंत्रण पर 3 दिन के दौरे पर भारत आ रहे हैं।

भारत-फ्रांस द्विपक्षीय सहयोग को और सुदृढ़ करने पर व्यापक चर्चा करेंगे। दोनों नेता भारत-प्रशांत क्षेत्र सहित, आपसी हित के क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श करेंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत ने किया अब तक का सबसे बड़ा रक्षा सौदा

3.25 लाख करोड़ रूपए में 114 राफेल जैट खरीदे जाएंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 फरवरी। भारतीय वायु सेना के मल्टी-रोल फाइटर एयरक्राफ्ट कार्यक्रम के तहत, फ्रांस में बने 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने के 3.25 लाख करोड़ रुपये के सौदे को इस सप्ताह रक्षा मंत्रालय से मंजूरी मिल सकती है। यह मंजूरी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के दिल्ली दौरे से कुछ दिन पहले मिल सकती है। इन विमानों की डिलीवरी 2030 तक होने की संभावना है।

अगर यह सौदा पक्का हो जाता है, तो इससे यह भी साफ होगा कि भारत फ्रांस के बाहर राफेल विमानों का सबसे बड़ा उपयोग करने वाले देशों में शामिल हो जाएगा। राफेल दो इंजन वाला मल्टी-रोल लड़ाकू विमान है, जिसे दुनिया के सबसे खतरनाक लड़ाकू विमानों में से एक माना जाता है। यह हवाई वर्चस्व और सटीक हमले करने में सक्षम है।

भारत के पास पहले से 36 राफेल विमान हैं। वायु सेना को दिसंबर 2024 में आखिरी ''सी वर्ज़न'' मिला था। इसके अलावा भारत ने 63,000 करोड़ रुपये के सौदे में नौसेना के लिए 26 ''एम वर्ज़न'' भी खरीदे हैं।

इस सौदे में चार दो-सीटर ट्रेनर विमान, बेड़े की देखरेख, लॉजिस्टिक सपोर्ट और कर्मचारियों की ट्रेनिंग भी शामिल है। यह सब एम.आर.ओ., यानी ''मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल'' समझौते के तहत किया जाएगा।

- फ्रांस के राष्ट्रपति एमानुएल मैक्रों की भारत यात्रा से पूर्व इसी सप्ताह रक्षा सौदे पर हस्ताक्षर कर दिए जाएंगे, हथियारों की आपूर्ति 2030 तक होगी।
- भारत के पास अभी भी 36 राफेल हैं, भारत ने अंतिम ''सी'' वर्ज़न की डिलीवरी दिसंबर 2024 में प्राप्त की है।
- ऑपरेशन सिंदूर में राफेल की भूमिका बेहद प्रशंसनीय रही। कहा जाता है कि इस दौरान राफेल ने एक एयर क्रूज़ मिसाइल 256 किलोमीटर दूर सटीक निशाने पर दागी थी।

''एम'' वर्ज़न राफेल विमानों को विमानवाहक पोत आई.एन.एस. विक्रांत और विक्रमादित्य पर तैनात किया जाएगा।

वायु सेना को मिले ''सी'' वर्ज़न विमानों को दो स्क्वाड्रनों में बांटा गया है। इनमें से एक अंबाला में नंबर 17 स्क्वाड्रन (गोल्डन एरो) और दूसरा पश्चिम बंगाल के हासीमारा में नंबर 101 स्क्वाड्रन (फैलकन्स) है।

भारतीय वायु सेना के राफेल विमानों ने पहले भी युद्ध में हिस्सा लिया है। उन्होंने पिछले साल मई में पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में किए गए ''ऑपरेशन सिंदूर'' में भाग लिया था और लद्दाख में भी तैनात रहे थे। गणतंत्र दिवस परेड में भी वायु सेना की ''सिंदूर फॉर्मेशन'' में राफेल, मिग-29 और सुखोई-30 विमान दिखाई दिए थे।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तैनात राफेल विमानों ने स्कैल्प (एस.सी.ए.एल.पी.) मिसाइल का इस्तेमाल किया था। यह हवा से दागी जाने वाली क्रूज मिसाइल है, जो 250 किलोमीटर से अधिक दूरी तक बेहद सटीक तरीके से मजबूत लक्ष्यों पर हमला कर सकती है। इस मिसाइल का इस्तेमाल दुनिया के कई युद्धों में किया गया है, जिनमें इराक और लीबिया के संघर्ष शामिल हैं।

कांग्रेस की महिला सांसदों ने स्पीकर को धमकाने की कोशिश की - रिजिजू

नई दिल्ली, 10 फरवरी। संसद के बजट सत्र में लोकसभा में जारी गतिरोध के बीच, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने दावा किया है कि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की महिला सांसदों ने स्पीकर ओम बिड़ला के चैंबर में जाकर उन्हें धमकाने की कोशिश की।

- भाजपा की महिला सांसदों ने स्पीकर से कड़ी कार्यवाही करने के लिए पत्र लिखा।

रिजिजू ने संसद भवन परिसर में मंगलवार को पत्रकारों से कहा कि सदन की कार्यवाही के दौरान कांग्रेस के सदस्य सत्तापक्ष की बेंच की ओर आ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)